उद्घाटन समारोह पूसा कृषि विज्ञान मेला: 22 फरवरी 2025

प्रैस विज्ञप्ति

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित "पूसा कृषि विज्ञान मेला 2025" का उद्घाटन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने किया। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, पूसा के निदेशक डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डी. के. यादव, पूसा के संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. आर. एन. पडारिया, कृषि वैज्ञानिक, किसान प्रतिनिधि और विभिन्न राज्यों से आए प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

अपने उद्घाटन भाषण में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय कृषि सिर्फ आत्मनिर्भर नहीं बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन रही है। उन्होंने किसानों को "अन्नदाता से उद्यमी बनने" का आह्वान किया और कहा कि खेती को पारंपरिक तरीके से आगे बढ़ाकर एक लाभकारी व्यवसाय बनाने की जरूरत है। उन्होंने सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की चर्चा की और कहा कि देश के प्रत्येक किसान तक उन्नत तकनीक, उच्च गुणवत्ता वाले बीज और वैज्ञानिक नवाचारों को पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार "दूसरी हरित क्रांति" की दिशा में कार्य कर रही है, जिसमें सूखा-सहिष्णु, कीट-प्रतिरोधी और जलवायु-अनुकूल फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और पूसा जैसे संस्थान बेहतर किस्मों और नई कृषि तकनीकों का विकास कर किसानों को सशक्त बना रहे हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान देश की आत्मा हैं और सरकार उनके उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य किसानों तक नवीनतम तकनीकों को पहुँचाना और उनके जीवन स्तर को सुधारना है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) ने उन्नत बीजों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और अब किसानों तक उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सरकार का मुख्य लक्ष्य प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाना है, जिसके लिए एकीकृत कृषि प्रणाली और बागवानी को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने बताया कि आधुनिक कृषि चौपाल की शुरुआत की गई है, जिसे और अधिक व्यापक बनाया जाएगा। अगले महीने से इसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के निर्देशन में दूरदर्शन पर प्रसारित किया जाएगा, जिससे देशभर के किसान लाभान्वित होंगे। सरकार किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। 24 फरवरी को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त जारी की जाएगी। इसके अलावा, किसानों की सलाह के आधार पर ही मखाना बोर्ड का गठन किया जाएगा। कृषि ऋण को 7 लाख करोड़ से बढ़ाकर 25 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे किसानों को आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें।

गेहूं और चावल के साथ-साथ अब संपूर्ण मसूर, उड़द और अरहर की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीद की जाएगी। किसानों के उत्पादों के ट्रांसपोर्ट का भाड़ा सरकार वहन करेगी, जिससे उन्हें बाजार में बेहतर दाम मिल सके। प्याज और चावल की निर्यात नीति को किसानों के अनुकूल बनाया जाएगा, और मिर्ची की खरीदारी के लिए MIS योजना के तहत व्यवस्था की जाएगी ताकि किसानों को उचित मूल्य मिल सके। भारत का बासमती और मध्य प्रदेश का गेहूं वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बना रहा है। भारत अब आत्मनिर्भरता से आगे बढ़कर निर्यात को और अधिक सशक्त करने की दिशा में अग्रसर है।

कृषि विज्ञान केंद्रों से किसानों को जोड़ने के प्रयास जारी हैं, जिससे उन्हें नवीनतम तकनीकों और वैज्ञानिक नवाचारों का लाभ मिल सके। सरकार 'लैब टू लैंड' की अवधारणा को साकार करने के लिए वैज्ञानिकों को खेतों तक पहुंचाने पर जोर दे रही है। मेले में 300 स्टाल लगाए गए और उन्नत किस्मों की जीवंत प्रदर्शनी लगी है। मेले में 1 लाख से अधिक कृषक एवं 400 क्विंटल से अधिक उन्नत बीजों के विक्रय का लक्ष्य है।

मंत्री महोदय ने किसानों को गेहूं-धान फसल चक्र से आगे बढ़ने की सलाह दी और कहा कि "अब समय आ गया है कि किसान मक्का, बाजरा, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को प्राथमिकता दें।" उन्होंने कहा कि सरकार जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए माइक्रो-इरिगेशन, ड्रिप सिंचाई और जल संचयन जैसी योजनाओं को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' के तहत लाखों हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा से जोड़ा गया है, जिससे किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन की तकनीकें अपनाने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि किसानों की उत्पादन लागत कम करने की और फसल उत्पादकता में बढ़ोतरी करने की कोशिश की जाएगी। मंत्री महोदय ने कहा कि "अच्छी पैदावार के लिए अच्छे बीज सबसे महत्वपूर्ण हैं।" सरकार ने बीज उत्पादन और वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि पूसा कृषि विज्ञान मेला किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले बीज और पौध सामग्री तक सीधी पहुंच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार किसानों को बाजार से जोड़ने के लिए 'किसान उत्पादक संगठन' (FPO) को मजबूत कर रही है। "किसानों को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर भी ध्यान देना चाहिए।" मंत्री महोदय ने कहा कि "सरकार किसानों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पूसा कृषि विज्ञान मेला 2025 भारतीय कृषि में नवाचार और वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देने का एक प्रभावी मंच है। किसान भाइयों को चाहिए कि वे नई तकनीकों को अपनाएं, फसल विविधीकरण पर ध्यान दें और वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप अपनी खेती को आधुनिक बनाएं।"

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI), पूसा, देश में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार का प्रमुख केंद्र है, जिसने हरित क्रांति की सफलता में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा विकसित गेहूं, धान और बासमती चावल की उन्नत किस्में न केवल भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं, बल्कि वैश्विक कृषि व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY), मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और परंपरागत

कृषि विकास योजना जैसी सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये योजनाएँ किसानों को आर्थिक, तकनीकी और वैज्ञानिक सहयोग प्रदान कर रही हैं। उन्होंने किसानों को पूसा कृषि विज्ञान मेला 2025 में भाग लेकर नई तकनीकों को अपनाने और अपनी खेती को अधिक लाभदायक बनाने का आह्वान किया।

मेले के दौरान किसानों को नवाचारों और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। "अध्येता कृषक" पुरस्कारों से 5 किसानों (हरियाणा की श्रीमती पूजा शर्मा, तेलंगाना के श्री मावराम मल्लिकार्जुन रेड्डी, ओडिशा के श्री राधाश्याम बिस्वाल, राजस्थान के श्री राम नारायण चौधरी और उत्तर प्रदेश के श्री संजीव कुमार प्रेमी) को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी खेती में नई तकनीकों को अपनाकर अनुकरणीय कार्य किए हैं। संस्थान के प्रमुख प्रकाशनों का विमोचन अतिथियों के द्वारा किया गया। मेले में किसानों के लिए उन्नत बीज, जैविक खाद, जलवायु अनुकूल तकनीक, ड्रोन स्प्रे तकनीक, स्मार्ट सिंचाई तकनीक और बाजार लिंकेज जैसी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई। पूसा कृषि विज्ञान मेला 2025 वैज्ञानिक नवाचारों, आधुनिक तकनीकों और किसानों के लिए व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने का एक प्रभावी मंच साबित हुआ। इस आयोजन से किसानों को नई तकनीकों को अपनाने, वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करने और अपनी खेती को लाभदायक बनाने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।